भारत सरकार

कारपोरेट कार्य मंत्रालय

लोकसभा

तारांकित प्रश्न संख्या. 106

(जिसका उत्तर सोमवार, 28 जुलाई, 2025/6 श्रावण, 1947 (शक) को दिया जाना है)

निवेशक दीदी योजना का दूसरा चरण

***106. श्री सतीश कुमार गौतमः**

श्री जनार्दन मिश्राः

क्या **कारपोरेट कार्य** मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे कि:

(क) सरकार द्वारा देश भर में निवेशक दीदी योजना के दूसरे चरण के अंतर्गत लक्षित ग्रामीण महिलाओं की अनुमानित संख्या और भौगोलिक क्षेत्रों का राज्य-वार ब्यौरा क्या है;
(ख) क्या सरकार ने देश में उक्त योजना के माध्यम से वित्तीय साक्षरता में सुधार हेतु कोई मापनीय लक्ष्य निर्धारित किए हैं, यदि हाँ, तो विशेषकर राजस्थान, गुजरात, कर्नाटक, मध्य प्रदेश और हिमाचल प्रदेश सहित तत्संबंधी राज्य-वार ब्यौरा क्या है; और
(ग) उक्त योजना में महिलाओं की व्यापक भागीदारी सुनिश्चित करने के लिए क्या कदम उठाए जा रहे हैं जिससे वे "विकसित भारत @2047" के व्यापक विज़न में योगदान दे सकें?

उत्तर

वित्त और कारपोरेट कार्य मंत्री (श्रीमती निर्मला सीतारमण)

(क) से (ग): विवरण सदन के पटल पर रख दिया गया है।

*****

'निवेशक दीदी चरण 2' के संबंध में दिनांक 28 जुलाई, 2025 के लिए लोकसभा तारांकित प्रश्न संख्या 106 (6वां स्थान) के भाग (क) से (ग) के उत्तर में उल्लिखित विवरण

(क) और (ख): निवेश दीदी चरण 2 में राजस्थान, गुजरात, कर्नाटक, मध्य प्रदेश और हिमाचल प्रदेश सहित देश भर में महिलाओं सहित ग्रामीण और अर्ध शहरी आबादी को लक्षित करते हुए 4000 वित्तीय साक्षरता शिविरों की परिकल्पना की गई है। शिविरों का उद्देश्य विशेष रूप से महिलाओं को वित्तीय साक्षरता और जागरूकता प्रदान करना है।

(ग): उक्त स्कीम में महिलाओं की व्यापक भागीदारी सुनिश्चित करने के लिए 'विकसित भारत@2047' के व्यापक दृष्टिकोण में योगदान करने के लिए निम्नलिखित कदम उठाए गए हैं:

(i) "महिलाओं द्वारा, महिलाओं के लिए" मॉडल

महिला डाक कर्मचारी और अग्रणी स्थानीय महिलाएं निवेशक दीदी के रूप में प्रशिक्षित थे। वे ज्यादातर ग्रामीण क्षेत्रों या डाक क्षेत्र की महिलाओं को लक्षित करते हुए शिविर आयोजित करते हैं। वित्तीय साक्षरता सत्र 13 भारतीय भाषाओं में आयोजित किए जाते हैं, जो उन महिलाओं के लिए पहुंच सुनिश्चित करते हैं जो अंग्रेजी या हिंदी में धाराप्रवाह नहीं हैं। सांस्कृतिक उदाहरण और कहानी कहने की अवधारणाएं महिलाओं के दैनिक वित्तीय जीवन से जोड़ती हैं।

(ii) डोरस्टेप और सामुदायिक-स्तरीय आउटरीच

स्वयं सहायता समूहों (एसएचजी) और महिला मंडलों की मदद से आंगनवाड़ियों, स्वयं सहायता समूहों (एसएचजी), पंचायत हॉल और केवल महिलाओं की सभाओं में शिविर आयोजित किए जाते हैं। निवेशक दीदी घरों और पड़ोस का दौरा करती हैं, जो महिलाओं के कम्फर्ट ज़ोन में वित्तीय शिक्षा लाती हैं, खासकर उन क्षेत्रों में जहां गतिशीलता प्रतिबंधित है।

*****